066

MAHD - 01

December - Examination 2015

MAHD-P Examination

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Paper - MAHD - 01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश :–

1) प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अति लघुत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघुत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

(खण्ड – अ) $8 \times 2 = 16$

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकत 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है।

1) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(i) पृथ्वीराज रासो के रचयिता कौन थे और उन्होंने किस भाषा में यह काव्य ग्रंथ लिखा है?

(ii) तुलसीदास की दो महत्वपूर्ण कृतियों के नाम लिखिए।

(iii) ज्ञानमार्गी शाखा के कोई दो प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

(iv) रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएं कौन–कौन सी हैं? नामोल्लेख कीजिए।

(v) 'सुजान–हित' के रचनाकार कौन हैं?

(vi) भूषण की प्रसिद्धि का कारण क्या है?

(vii) घनानंद के दो प्रिय छंदों के नाम लिखिए।

(viii) कबीर मनुष्य को गर्व न करने के लिए क्यों कहते हैं? सोदाहरण लिखिए।

(खण्ड – ब) 4 x 8 = 32

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2) **निम्नांकित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।**

कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में,
क्यारिन में कलित कलीन किलकंत है।
कहै पद्माकर परागन में, पौनहू में,
पातन में, पिक में, पलासन पंगत है।
द्वारे में, दिसान में, दुनी में, देस–देसन में,
देखो दीपदी वन में दीपत दिगंत है।
बीथिन में, ब्रज में, नवेलिन में, बेलिन में,
बनन में बागन में, बगरयो बसंत है।

3) **निम्नांकित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।**

भाल लाल बेंदी, ललन, आखत रहे बिराजि।
इन्दुकला कुंज मैं बसी, मनौ राहु–भय भाजि।।

कनक कनक तैं सौगुनौ, मादकता अधिकाइ।
उहिं खाऐं बौराइ, इहिं पाऐं हीं बौराइ।।
तौपर वारौं उरबसी, सुनि राधिके सुजान।
तू मोहन कैं उर बसी, हैं उरबसी–समान।।
पाइ महावर दैंन कौं नाइनि बैठी आइ।
फिरि–फिरि, जानि महावरी, एड़ी मीड़ति जाइ।।

4) **निम्नांकित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।**

निरगुन कौन देस को बासी?
मधुकर! हँसि समुझाय, सांह दै बूझति साँच, न हांसी।
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि को दासी।।
कैसो बरन, भेस है कैसो, केहि रस में अभिलासी।।

5) पद्मावत के लोक तत्व और मीराबाई की गीतात्मकता शीर्षक पर अलग–अलग संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

6) ''जायसी मूलत: प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं।'' उक्ति की समीक्षा कीजिए।

7) सूरदास की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

8) सतगुरू की सरल बातों का कबीर पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए।

9) घनानन्द द्वारा चित्रित एकतरफा प्रेम की पीर का परिचय दीजिए।

(खण्ड – स) 2 x 16 = 32

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10) ''कबीर ने सामाजिक आडम्बरों का विरोध करके अपने काव्य को लोकप्रिय बनाने में सफलता प्राप्त की थी।'' इस उक्ति की सप्रमाण समीक्षा कीजिए।

11) ''सूफी काव्यधारा की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए'' पद्मावत में लौकिक एवं आध्यात्मिक प्रेम का विश्लेषण कीजिए।

12) ''बिहारी ने गागर में सागर भरने का सफल प्रयास किया है।'' इस कथन के औचित्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

13) तुलसीदास की भक्तिभावना पर एक लेख लिखिए।